गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक: 35 | गोरखपुर रविवार 16 फरवरी 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को भारत टेक्स में वैश्विक कपड़ा उद्योग को संबोधित करेंगे: गिरिराज

- कपड़ा मंत्री ने बताया कि इस बार भारत टेक्स में 6,000 विदेशी खरीदार हिस्सा ले रहे हैं जो पिछले साल की तुलना में दोगुना है। इससे यह दुनिया का सबसे बड़ा कपड़ा मेला बन गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी 16 फरवरी को यहां भारत टेक्स में घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय कपड़ा उद्योग के खरीदारों को संबोधित करेंगे। कपड़ा मंत्री ने बताया कि इस बार भारत टेक्स में 6,000 विदेशी खरीदार हिस्सा ले रहे हैं जो पिछले साल की तुलना में दोगुना है। इससे यह दुनिया का सबसे बड़ा कपड़ा मेला बन गया है। सिंह ने पत्रकारों से कहा, 16 फरवरी को प्रधानमंत्री भारत मंडपम आएंगे और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को संबोधित करेंगे। भारत टेक्स 14-17 फरवरी को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 5,000 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। इसमें 110 से अधिक देशों के खरीदारों तथा 1,20,000 से अधिक आगंतुकों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें नीति निमार्ता तथा उद्योग जगत के लोग शामिल होंगे।

त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाना अलौकिक क्षण: सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को यहां त्रिवेणी

संगम में परिवार के साथ डुबकी लगाई। सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक केंद्रीय मंत्री ने कहा कि युग-युगांतर से पीढ़ियों को ऐसे क्षण का इंतजार रहता है, यह अनोखा समय है जब दुनिया भर से लोग स्वतः आकर त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं इस दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी को धन्यवाद देता हूं।

राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी की मौजूदगी में लखनऊ में 4 लेन के 2 फ्लाईओवर का हुआ उद्घाटन

- लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित कर रही डबल इंजन की सरकार: योगी
- लखनऊ मिली 1028 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 4 लेन के दो प्रमुख फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इनमें 270 करोड़ रुपये की लागत से बना इंदिरा नगर सेक्टर 25 से खुर्रमनगर-कल्याणपुर फ्लाईओवर (3 किमी) और 170 करोड़ रुपये की लागत से बना पॉलिटेक्निक से मुंशी पुलिया चौराहा फ्लाईओवर (2 किमी) शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुल 588 करोड़ रुपये की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन की सरकार द्वारा लखनऊ को न केवल एयरो सिटी बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) सिटी के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो रहा है और राज्य के हर नागरिक को बेहतर बुनियादी ढांचा और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ को 1000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात मिली है, जिसमें 440 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग की दो महत्वपूर्ण परियोजनाएं और करीब 600 करोड़ रुपये की विभिन्न राज्य परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास शामिल है।

अदालत विधायिका को खास तरीके से कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकती: सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अदालतें विधायिका को किसी खास तरीके से कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकतीं। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने दिल्ली हाईकोर्ट के फरवरी 2024 के आदेश के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। बेंच ने याचिका पर सुनवाई से इनकार किया और कहा, संसद ने हर पहलू पर विचार करने के बाद एक नया कानून बनाया है। प्रारंभिक अधिकार क्षेत्र में न तो हाईकोर्ट और न ही सुप्रीम कोर्ट विधायिका को किसी खास तरीके से कानून बनाने का निर्देश दे सकता है। जनहित याचिका में जिला अदालतों या पुलिस को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे शिकायतकर्ता या पीड़ित को आरोपपत्र की एक प्रति निशुल्क उपलब्ध कराएं। केंद्र की ओर से पेश वकील ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 230 का हवाला देते हुए कहा कि यह याचिका अप्रासंगिक है। उन्होंने कहा, धारा 230 के अनुसार अगर कोई मामला पुलिस रिपोर्ट पर आधारित है, तो मजिस्ट्रेट को आरोपी और पीड़ित को बिना किसी शुल्क के दस्तावेजों की प्रति देना अनिवार्य है।

सम्पादकीय...

खैरात के खिलाफ

देश में विभिन्न चुनावों से पूर्व लगातार मुफ्त की योजनाओं के ऐलान पर कठोर टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नीति-नियंताओं से सवाल किया है कि कहीं हम परजीवियों का एक वर्ग तो नहीं बना रहे हैं? अदालत की चिंता की हकीकत पर मोहर लगाते हुए बुधवार को सी.आई.आई साऊथ ग्लोबल लिंकेज समिट में लार्सन एंड टुब्रो के चेयरमैन एस.एन. सुब्रह्मण्यम ने कहा कि सरकारी मुफ्त स्कीमों के कारण निर्माण उद्योग में मजदूरों की कमी हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वेल्फेयर स्कीमों से आराम की उपलब्धता के कारण निर्माण से जुड़े श्रमिक काम करने से कतरा रहे हैं। यह भी कि दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग काम की तलाश में पलायन कर रहे हैं, लेकिन भारत में लोग काम के लिये दूसरे शहरों में जाने के लिये तैयार नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट की चिंता इसलिए भी वाजिब है कि देश के अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन, विभिन्न वर्गों को नगदी हस्तांतरण, बिजली-पानी की मुफ्त योजनाओं के कारण कई राज्यों की सरकारों पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। निश्चित तौर पर किसी विकासशील देश के लिये यह उत्साहजनक स्थिति नहीं है। यह भी हकीकत है कि जब किसी व्यक्ति को सुविधाएं आसानी से और मुफ्त मिलने लगें तो वह आलसी हो जाता है। साथ ही विकास की मुख्यधारा से भी कट जाता है। दरअसल, कल्याणकारी योजनाओं का मकसद नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारना होता है। लेकिन यदि लोग काहिली की राह चुनने लगें तो यह देश हित में कदापि नहीं कहा जा सकता। एक आदर्श स्थिति तो यह होनी चाहिए कि सरकार अपने नागरिकों के लिये ऐसा कार्यशील वातावरण बनाये, जिससे देश के आर्थिक विकास में उनकी भूमिका सुनिश्चित हो। लेकिन दुर्भाग्य से हाल के वर्षों में वोट पाने का शॉर्टकट मुफ्त की रेवड़ियां बांटना हो गया है। वहीं गरीबी उन्मूलन एक सुविधाजनक राजनीतिक हथियार बना है। जिसके चलते चुनाव से पहले मुफ्त की घोषणाएं राजनीतिक फैशन बन गया है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की वह टिप्पणी तार्किक है कि वोट के लालच में राजनीतिक दल परजीवियों का एक वर्ग तैयार कर रहे हैं। काम के बदले अनाज व अन्य सुविधाएं देना तो तार्किक है, लेकिन मुफ्त का राशन व नकदी देना उचित नहीं है। कोरोना संकट में रोजगार के साधन सिमटने की वजह से मुफ्त अनाज समय की जरूरत थी, लेकिन इस योजना को लगातार नहीं चलाया जाना चाहिए। आखिरकार मुफ्त योजनाओं का बोझ आयकरदाताओं पर ही पड़ता है। जरूरतमंद लोगों में आत्मविश्वास जगाकर उन्हें राष्ट्र के लिये योगदान हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए। देश की अदालत बार-बार राजनेताओं से ऐसी घोषणाओं से परहेज करने को कहती रही है, लेकिन राजनीतिक दलों पर इसका कोई असर नजर नहीं आता। देश में मनरेगा के तहत रोजगार दिया जाना बेरोजगारों के हित में एक सकारात्मक कदम था। लेकिन मुफ्त में राशन व नगदी देना लोगों को अकर्मण्य बनाने जैसा ही है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि मनरेगा में लगातार कम होता पंजीकरण मुफ्त की योजनाओं का ही नकारात्मक प्रभाव हो। सरकारों को चाहिए कि रोजगार के नये-नये अवसर सृजित करें। मुफ्त देने के बजाय लोगों को स्वावलंबी और स्वाभिमानी बनाये। देश की तरक्की और विकास की दृष्टि से मुफ्त की योजनाएं घातक ही कही जा सकती हैं।

राशिफल

मेषः- जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

बृषभः- शासन-सत्ता से जुड़े लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- संबंधों में व्यवहार कुशल बने। सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में अपनी अच्छी छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता से उत्साहित होंगे।

कर्कः- विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

सिंहः- अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बामुखी बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली रहेगी।

कन्याः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन नकारात्मक चिंताओं से बोझिल होगा।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा। दुबिधाओं का त्याग कर लक्ष्य पर केंद्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आसपास का माहौल प्रसन्न होगा।

धनुः- कठिन एवं विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा में बढ़ेगी। घरेलू दायित्वों की पूर्ति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकरः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। गैर सांस्कारिक कायरे की आकर्षित मन पर अंकुश लगायें।

कुंभः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परंतु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ऊर्जा की अनुभूति होगी। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

मीनः- नकारात्मक चिंताओ को त्याग अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियो के सहयोग से वातावरण सुखद होगा।

भारत को विकसित हो रही एआई विश्व व्यवस्था में प्रमुखता से शामिल होना होगा

के रवींद्रन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा आकार दिये जा रहे विकासशील विश्व व्यवस्था में वैश्विक दक्षिण पर अधिक जोर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान एक रणनीतिक प्रस्ताव है। 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी शक्ति बनने के साथ, यह जरूरी है कि विकासशील देश, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में, इसके प्रक्षेपवक्र को परिभाषित करने में भूमिका निभायें। पेरिस संस्करण के बाद अगले एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की भारत की पेशकश, जिसकी सह-अध्यक्षता मोदी ने की, इस परिवर्तनकारी स्थान में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की उसकी महत्वाकांक्षा को रेखांकित करती है। हालांकि, यह इरादा नेक है, चीन की हालिया प्रगति, विशेष रूप से डीपसीक के उद्भव के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता के परिदृश्य में पहले से ही एक बड़ा बदलाव आया है, जो एआई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। डीपसीक से पहले और बाद के चरण एक नई वास्तविकता को दशार्ते हैं जिसमें एआई में लंबे समय से चले आ रहे अमेरिकी प्रभुत्व को गंभीर व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। डीपसीक द्वारा उत्प्रेरित एआई में चीन का उत्थान, अमेरिकी एआई साम्राज्यवाद के लिए एक बुनियादी चुनौती का प्रतिनिधित्व करता है। यह बदलाव अकेले नहीं हुआ है, बल्कि, यह रणनीतिक और नीति-संचालित विकास की एक श्रृंखला की परिणति है, जिनमें से कई का पता संयुक्त राज्य अमेरिका के तकनीकी वर्चस्व के अपने दृष्टिकोण से लगाया जा सकता है। सेमीकंडक्टर तकनीक और एआई चिप्स पर निर्यात प्रतिबंध सहित वाशिंगटन की प्रतिबंधात्मक नीतियों ने अनजाने में स्वदेशी विकल्प विकसित करने के चीन के दृढ़ संकल्प को बढ़ावा दिया है, जिससे डीपसीक जैसी सफलताएं मिली हैं। यह बदलाव केवल एआई मॉडल या एल्गोरिदम के बारे में नहीं है, बल्कि एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में भी है जिसमें सेमीकंडक्टर विनिर्माण, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और क्वांटम कंप्यूटिंग शामिल हैं। इस सभी क्षेत्रों में चीन तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के लिए चुनौती दोहरी है। सबसे पहले, उसे अपने और एआई महाशक्तियों, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ती खाई को पाटने के लिए अपनी एआई क्षमताओं में तेजी लानी होगी। दूसरा, उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी एआई नीतियां वैश्विक दक्षिण को सशक्त बनाने के बड़े लक्ष्य के साथ संरेखित हों, ताकि एआई को भू-राजनीतिक आधिपत्य का एक और उपकरण बनने से रोका जा सके। पेरिस में मोदी के साथ गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई की बैठक वैविक तकनीकी दिग्गजों द्वारा एआई में भारत की संभावित भूमिका को मान्यता देने को दशार्ती है। हालांकि, इस क्षमता को ठोस कार्रवाई में बदलना होगा, जिसमें घरेलू एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने से लेकर नियामक ढांचे विकसित करना शामिल है जो नवाचार को नैतिक विचारों के साथ संतुलित करते हैं। भारत की एआई यात्रा को अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने दो साल पहले ही भारत के एआई परिदृश्य को निराशाजनक बताया था। हाल ही में उन्होंने स्वीकार किया कि भारत अब ओपन एआई का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जो देश की प्रगति का प्रमाण है। फिर भी, एआई

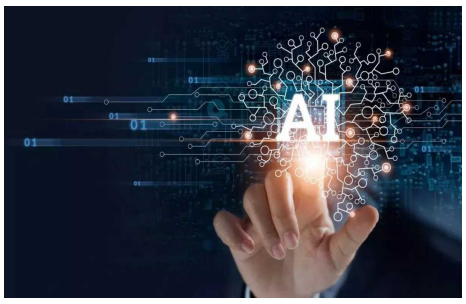

तकनीकों का एक प्रमुख उपभोक्ता होना एआई अनुसंधान और विकास में अग्रणी होने से बहुत अलग है। भारत को मूलभूत एआई मॉडल बनाने, एआई-विशिष्ट हार्डवेयर विकसित करने और एक मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने का प्रयास करना चाहिए जो स्वदेशी एआई नवाचार को आगे बढ़ा सके। एआई में वैश्विक दक्षिण की भूमिका निष्क्रिय भागीदारी या मौजूदा महाशक्तियों के साथ नीति संरेखण तक सीमित नहीं हो सकती। इसके बजाय, इसे आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के लिए एआई का लाभ उठाना चाहिए। एआई में स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शिक्षा और शासन में क्रांति लाने की क्षमता है, ऐसे क्षेत्र जहां विकासशील देशों को सबसे अधिक लाभ मिल सकता है। चुनौती वैश्विक दक्षिण की अनूठी जरूरतों के अनुरूप एआई समाधान विकसित करने की है, न कि बहुत अलग सामाजिक-आर्थिक संदर्भों के लिए डिजाइन किये गये मॉडल आयात करने की। यह सुनिश्चित करने के लिए एआई अनुसंधान, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता है ताकि एआई डिजिटल उपनिवेशीकरण का एक और तंत्र न बन जाये। एआई का भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, और भारत एक चैराहे पर खड़ा है। जबकि पश्चिमी तकनीकी दिग्गजों के साथ इसके रणनीतिक गठबंधन सहयोग के लिए अवसर प्रदान करते हैं, इसकी दीर्घकालिक एआई रणनीति को एआई विकास में आत्मनिर्भरता और नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। चीन के डीपसीक ने एआई में एक नये युग का संकेत दिया है, और ऐसी स्थिति में भारत आत्मसंतुष्ट होकर बैठा रहना बर्दाश्त नहीं कर सकता।

कुछ खास...

कांग्रेसः बदलाव नहीं कायाकल्प जरूरी

यह चर्चा जोरों पर है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व बड़े सांगठनिक बदलाव की तैयारी कर रहा है। इस परिवर्तन में किन्हें अहम जिम्मेदारियां मिलेंगी और किन-किन की छुट्टी होगी, इसका खुलासा कहते हैं कि अगले कुछ दिनों में हो सकता है, पर सर्जरी जैसी कार्रवाई एक तरह से न केवल अपेक्षित है बल्कि जरूरी भी है। हाल के वर्षों में कांग्रेस ने जो नया रूप अख्तियार किया है वह गिनती के कुछ नेताओं के बल पर ही है। पार्टी का एक बड़ा हिस्सा अब भी अपना पर्याप्त योगदान नहीं दे पा रहा है। संगठन के वृहत्तर धड़े को सक्रिय किये बिना बड़े नतीजों की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। बताया जाता है कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, और राहुल गांधी देश भर की इकाइयों समेत बड़े परिवर्तनों को अंतिम रूप दे रहे हैं। उम्मीद यही की जाये कि कांग्रेस का नया स्वरूप हालिया चुनौतियों का मुकाबला करने के लायक हो। ताश के पत्तों की तरह फेंटकर कुछ लोगों को इधर से उधर कर देना पर्याप्त नहीं होगा। मौजूदा हालात में संगठन का कायाकल्प अपरिहार्य है। पूरी कांग्रेस राहुल गांधी, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खरगे पर टिकी हुई है। प्रदेशों के जो बड़े नेता हैं उन्हें भी अपने चमत्कार को बनाये रखने के लिये इन्हीं तीन नेताओं का सहारा लेना पड़ता है। कुछेक को छोड़कर उनके अभाव में ज्यादातर क्षेत्रीय नेता न अपनी चमक बिखेर पाते हैं और न ही चुनाव में अपने दम पर कुछ हासिल कर सकते हैं। पूछा जा सकता है कि उसकी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी भी तो गिनती के दो लोगों पर टिकी हुई है तो यह समझ लेना जरूरी है कि उसके पास केन्द्र की सत्ता है और कई प्रदेशों में उसका शासन है। फिर उसके पास कुटिल चालें भी हैं। उसे ऐसे कई अतिरिक्त लाभ है। कांग्रेस में हमेशा से ही विकेन्द्रीकृत नेतृत्व प्रणाली अपनाई जाती रही है। जवाहर लाल नेहरू तथा इंदिरा गांधी जैसे शक्तिशाली नेताओं के रहते भी नेतृत्व की दूसरी व तीसरी तथा उसके बाद तक की ताकतवर और सक्रिय नेताओं की पंक्ति थी। सम्भवतः राजीव गांधी के चेहरे पर कांग्रेस को जो बहुमत मिला था, उसके बाद निचले क्रम के नेताओं को एक नाम व चेहरे पर टिक जाने की आदत हो गयी। कांग्रेस को मिली लगातार चुनावी असफलताओं ने भी संगठन को कमजोर किया है। इसे मान लेने में कोई बुराई नहीं है। भाजपा द्वारा जिस तरह से कांग्रेस और वह भी खासकर नेहरू-गांधी परिवार पर आक्रमण किये गये, उसने भी संगठन के उन लोगों को भ्रम में डाला व हतोत्साहित किया क्योंकि उनके लिये मानों यह परिवार ही प्राण वायु है जिसके बल पर उनकी अपनी सियासत चलती थी। परिवार के भीतर पार्टी की कमान को बार-बार बदलने से भी संगठन निष्क्रिय होता चला गया था। भाजपा द्वारा बड़े पैमाने पर कांग्रेस के लोगों को तोड़ने का विपरीत असर तो होना ही था और वह हुआ। आज अपेक्षाकृत कमजोर दिखने वाली कांग्रेस इन्हीं तमाम बातों का परिणाम है। कांग्रेस मुक्त भारत के नारे पर सवार होकर 2014 में केन्द्र की सत्ता पर काबिज हुए नरेन्द्र मोदी 2019 का लोकसभा चुनाव और बड़े शक्तिशाली ढंग से जीतकर आये। इन दो पराजयों से पूरी तरह से निढाल हो चुकी कांग्रेस के बारे में यही सोचा जा रहा था कि उसे नेस्तनाबूद करने के भाजपा के मंसूबे जल्दी पूरे हो जायेंगे- शायद 2024 के ही चुनाव में। इसके विपरीत तकरीबन दो वर्ष कांग्रेस ने अपनी खोई शक्ति को बटोरकर संगठन व विमर्श के स्तरों पर लोगों को एक तरह से आश्चर्यचकित करना प्रारम्भ किया। 15 मई, 2022 को राजस्थान के उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर में संगठनात्मक फेरबदल की जरूरत तो महसूस की गयी पर शीर्ष नेतृत्व में कतिपय बदलावों के अतिरिक्त इस दिशा में बहुत काम न हो सका।

बाइक सवार राजेंद्र बारी का हुआ एक्सीडेंट गंभीर अवस्था में स्थानीय लोगों के द्वारा आइकॉन हॉस्पिटल में कराया गया एडमिट

संवाददाता

गोरखपुर। तेज रफ्तार उलटी दिशा से आ रही फोर व्हीलर गाड़ी CIAZ संख्या UP 32 JW0008 बाइक सवार राजेंद्र बारी का हुआ एक्सीडेंट गंभीर अवस्था में स्थानीय लोगों के द्वारा आइकॉन हॉस्पिटल में कराया गया एडमिट मामला थाना जानकीपुरम बुद्धि सागर बारी पुत्र राजेंद्र बारी निवासी सेक्टर एल अलीगंज अपनी वाहन मोटरसाइकिल संख्या UP32 JW0556 आकांक्षा परिसर एसबीआई बैंक एटीएम के पास गुजर रहे

थे उलटी दिशा की तरफ से आ रही फोर व्हीलर मैं तीन लोग सवार थे राजेंद्र बारी को जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह मौके पर ही गिर पड़े स्थानीय लोगों के द्वारा बताया गया गाड़ी में फंसने की वजह से वह संभाल नहीं पाए गाड़ी चालक के द्वारा गाड़ी नहीं रोकी गई है जिसकी वजह से उनको काफी चोट आई है स्थानीय लोगों ने तत्काल प्रभाव से पास के आइकॉन अस्पताल में एडमिट कराया जहां पर 15 टके सर पर लगे हैं गले के पास भी सात आठ टांके लगे हैं हाथ पैर में भी काफी चोट आई है गाड़ी नंबर स्थानीय लोगों के द्वारा दिया गया था फोन करके जब बुलाया गया वाहन मालिक को तो उसने इलाज करने से मना कर दिया इसके बाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है विवेचना अधिकारी से जानकारी ली गई है जिस गाड़ी से टक्कर मारी गई है उसे बरामद कर लिया गया है 12 तारीख को जबकि यह घटना 9 तारीख की है तीन धाराओं में मुकदमा लिखा गया है धारा संख्या 281 125 ;ठद्ध 324;4द्ध परिवार का कहना है कि वह लोग नशे में भी थे अभी यूट्यूब की गिरफ्तारी नहीं हुई है पुलिस की कार्रवाई से पीड़ित परिवार संतुष्ट नहीं है।

लैम्प लाइटिंग समारोह चन्द्रमौली स्वामीनाथ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज में छात्राओं का उत्साह

संवाददाता

गोरखपुर। चन्द्रमौली स्वामीनाथ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेजए कुसम्ही

गोरखपुर में TLO 15वीं बैच और 14वीं बैच की छात्राओं के लिए ष्लैम्प लाइटिंग सेरेमनीष का आयोजन हुआ। यह समारोह नर्सिंग पेशे में प्रवेश के प्रतीक रूप में मनाया गयाए जहाँ छात्राओं ने सेवा और समर्पण की शपथ ली।

मुख्य अतिथियों ने किया समारोह का शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि रिजेंसी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के वाइस चेयरमैन श्री संदीप और डिपार्टमेंट हेड जेण्पीण गुप्ता के साथ ही सोसाइटी की अध्यक्ष रंजना शाहीए कॉलेज चेयरमैन श्री विशाल चंद्र शाही तथा वाइस चेयरमैन अमरेश ठाकुर ने दीप प्रज्ज्वलन और माँ सरस्वती को माल्यार्पण करके की।

छात्राओं को समर्पण और सेवा का संदेश

मुख्य वक्ता डॉ0 मणि शेखर ;सीण्एचण्सीण पिपराइच के अधीक्षकद्ध ने छात्राओं को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में जिम्मेदारीए ईमानदारीए और मानवीय संवेदनशीलता पर जोर दिया। श्री संदीप ने कहा नर्सिंग केवल एक पेशा नहींए बल्कि समाज के प्रति एक पवित्र दायित्व है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बढ़ाया रौनक

छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से समारोह की शुरूआत की। इसके बाद महाभारत पर आधारित नाट्य प्रस्तुति और रामायण ग्रुप प्रोग्राम ने दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शबनम खातुनए पूजा यादवए काजल भारतीए नीशाए निक्की यादव समेत कई छात्राओं ने प्रभावी प्रदर्शन किया।

पुरस्कार वितरण और सम्मान

GNM&ANM PTS परीक्षा में प्रथमए द्वितीयए और तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावाए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया।

स्टाफ और छात्राओं का योगदान

कार्यक्रम की सफलता में प्रधानाचार्या प्रियंका शर्माए कंचन रायए पंकज चौहानए शिवांगी रामए स्वाति पाण्डेयए और सीनियर छात्राएँ जैसे निक्की यादवए आस्था यादवए आकांक्षा गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

वाइस चेयरमैन अमरेश ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापन में कहाए ष्यह समारोह छात्राओं के जीवन में एक नई ऊर्जा का संचार करेगा।

उत्तर प्रदेश में पहली बार शीघ्र ही बारी समाज के नाम पर एक राजनीतिक पार्टी का गठन होने जा रहा है

संवाददाता

गोरखपुर। काफी वर्षों के इंतजार के बाद एक प्रयास किया जा रहा है जिसमें सर्वप्रथम 100 मेंबर बनाए जाएंगे उत्तर प्रदेश में जैसा कि आप सभी लोग जानते हैं तमाम जाति के लोगों ने अपने.अपने जाति के उत्थान के लिए सामाजिक लाभ के लिए राजनीतिक पार्टी का गठन करके समाज को अपनी जाति को आगे बढ़ने का कार्य किया है उदाहरण सुहेलदेव पार्टी राजभर समाज निषाद पार्टी निषाद समाजइन पार्टियों के विधायक मंत्री बन चुके हैं। क्योंकि मौजूदा सरकार के देखा है किसकी कितनी भागीदारी है उसी के हिसाब से लाभ दिया जाता है क्योंकि काफी वर्षों से हमारे समाज को किसी भी राजनीतिक पार्टी के द्वारा कोई भी लाभ नहीं दिया गया है केवल वोट बैंक के लिए रखा जाता

है समय बदल रहा है हम लोगों को भी बदलना होगा। इस राजनीतिक पार्टी का गठन एवं रजिस्ट्रेशन स्वदेशी इनक्रेडिबल न्यूज के प्रधान संपादक श्री शक्ति शंकर बारी गोरखपुर के द्वारा किया जा रहा है ताकि अपना समाज भी आगे बढ़ सके आज हमारा समाज काफी पीछे है जिसे आगे लाने के लिए बारी समाज की पार्टी का गठन होना अति आवश्यक है। समाज के जो लोग भी अपने समाज को आगे बढ़ना चाहते हैं सामाजिक विकास चाहते हैं केवल उन्हें ही आगे आना होगा समाज के लिए एक बार मजबूत राजनीतिक पार्टी बनानी होगी समाज के अनेकों संगठन बने हुए हैं परंतु आज तक कोई भी संगठन एक दूसरे को साथ में लेकर एक बड़ा मंच नहीं तैयार कर पाया ऐसे में एक बड़े राजनीतिक मंच की आवश्यकता काफी वर्षों से समाज में रही है काफी लोगों की मांग भी थी कि जैसे अन्य समाज की राजनीतिक पार्टी बनी हुई है वैसे अपने समाज के नाम पर राजनीतिक पार्टी बननी चाहिए जो कि अब सुनहरा अवसर आ चुका है।

संत रविदास जी ने सामाजिक एकता का संदेश दिया:अंकिता सिंह

संवाददाता

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मन्दिर (10×2) पक्कीबाग गोरखपुर में संत रविदास जी की जयन्ती के पूर्व संध्या पर कार्यक्रम को संबोधित करती हुई मुख्य वक्ता आचार्या सुश्री अंकिता सिंह ने कहा कि संत शिरोमणि

रविदास जी एक महान संतए कवि और समाज सुधारक भी थे। बचपन से ही रविदास जी को धर्म और आध्यात्मिक विषयों में रुचि थी। रविदास जी अपनी जीवनगाथा को अपने लेखों के माध्यम से व्यक्त करते थे। उन्होंने सदैव कर्म को प्रधानता दीए अपने लेखों में समाज के विभिन्न वर्गों के बीच धर्म के महत्व को बताया और लोगों को धर्म के उच्च मानकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। संत रविदास ने अपने दोहों व पदों के माध्यम से समाज में जातिगत भेदभाव को दूर कर सामाजिक एकता पर बल दिया और मानवतावादी मूल्यों की नींव रखी। प्रधानाचार्य डॉ राजेश सिंह जी ने कहा कि प्राचीन काल में भारत के पुनरुत्थान में एवं आधुनिक भारत के निर्माण में भी संतो की बहुत बड़ी भूमिका रही है। छत्रपति शिवा जीए सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य आदि को आज इतिहास में नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है यह उनके महान गुरुओं की ही देन हैं। संत की कोई जाति नहीं होती है। संत समाज से ऊपर होते हैं। संत रविदास ने समाज में समानताए सामंजस्य स्थापित करने में सेतु की भूमिका का निर्वाह किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य निर्मल यादव जी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रथम सहायक श्रीमती रुक्मिणी उपाध्याय सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

हास्य .व्यंग्य से शराबोर हिंदी वेब सीरीज श्राद्ध में जरूर आना

संवाददाता

गोरखपुर। शहर से लेकर गांव तक व्यस्ततम जिंदगी जी रहे आम से लेकर खास लोगों के बीच बिहार के ग्रामीण क्षेत्र के उभरते कलाकारों द्वारा हास्य .व्यंग्य से शराबोर हिंदी वेब सीरीज श्राद्ध में जरूर आनाष ये सीरिज मिमिक्री आर्टिस्ट संजीत कुमार संगम के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर होली के शुभ अवसर पर रिलीज होगी। शुक्रवार को फिल्म का फर्स्ट लुक विमोचन पर एफिल्म के निर्देशक राज गौरव ने कहा कि बिहार के युवा भी फिल्म निर्माण में आगे बढ़ रहे हैंएबिहार में फिल्म नीति आने के बाद युवाओं का रुझान वेब सीरीज निर्माण में बढ़ रहा हैं। फिल्म के मुख्य अभिनेता संजीत कुमार संगम कहा की ट्रेलर 1 मार्च 2025 को ट्रेलर रिलीज किया जाएगा । सीरीज देखने के लोग हंसने पर मजबूर हो जाएंगे। फिल्म के लेखक प्रशांत अधिकारी ने कहा कि बहुत अच्छी सीरीज है जो कि आप लोगों को काफी गुदगुदाएगीए श्राद्ध में जरूर आना की कहानी बहुत लाजवाब है जिसमें एभरपूर हास्य के साथ साथ सामाजिक विषयों और विलुप्त हो रही बिहार की लोक कला नारदी नाच को भी दिखाया गया है। फिल्म के

डी ओ पी आशीष गुप्ता है एवंफिल्म के निमार्ता भोला कुमार बागवानी हैएफिल्म की परिकल्पना की है संजीत कुमार संगम और अभिजीत कुमार बाबा ने एमुख्य अभिनेत्री में राजनंदनी जी है। कलाकारों में बिहार के मशहूर कलाकार मिमिक्री आर्टिस्ट व हास्य कलाकार संजीत कुमार संगमएप्रशांत अधिकारीए लोहा सिंहएप्रवीण प्यारेलाल गुप्ताएवरिष्ठ कलाकारो में जितेंद्र कुमार जीतूएमौर्य कुणाल मंडलएसारिका जीएबिपिन कुमारएरोशनएआयुषीएमिली मुस्कानएराकेश जीएशिवम जीएचंदन जीएरितेशएअपने दमदार अभिनय से सीरीज में चार चांद लगा दिए हैं।

गोरखपुर में ऐनुवल जनरल बॉडी बैठक हुआ सम्पन्न,लिए गए बड़े निर्णय

संवाददाता

गोरखपुर। दिनांक 16 फरवरी 2025 को गोरखपुर के नगर निगम सभागार में कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में ऐनुवल जनरल बॉडी की बैठक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम गोरखपुर के मेयर डॉ.मंगलेश श्रीवास्तव रहे। मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने देश के कोने-कोने से आए

फेडरेशन के उपस्थित सभी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा खेल को आगे बढ़ाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है श्री श्रीवास्तव ने कहा कि खेल एक ऐसा माध्यम है जो आने वाले नौनिहालों को स्वस्थ रखने के साथ-साथ एक अच्छा कैरियर भी प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य एवं अंतरराष्ट्रीय पहलवान मायाशंकर शुक्ल ने कहा कि हमें गर्व है कि हम सभी बाबा गोरखनाथ की तपोभूमि से उपजे हुए हैं और हम लोग कुश्ती की उपज भी हैं,हमें गर्व है कि इस तपो भूमि पर कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया की बैठक में लिया गया फैसला अनगिनत युवाओं के भविष्य के इतिहास बनकर उभरेगा। उक्त के क्रम में विशिष्ट अतिथि सिविल लाइन के पार्षद अजय राय ने कहा कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा खेलो इंडिया का जो मुहिम चलाया गया है उसे इस फेडरेशन ने सच करके दिखाया, मैं फेडरेशन के सभी पदाधिकारियों समेत मेंबरों को इस सराहनीय कार्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। उपरोक्त के क्रम में कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल को आगे ले जाना मेरी मुख्य भूमिका है मैं चाहता हूं कि हर देश के खिलाड़ी कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया से जुड़ें, जल्दी ही वर्ल्ड चैंपियनशिप कार्यक्रम करने की प्लानिंग चल रही है। फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार राय ने उपस्थित सभी आगन्तुकों को धन्यवाद देते हुए कहा कॉम्बैट की राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक में देश के लगभग 28 प्रदेशों एवं केंद्र शासित राज्यों के खेल प्रतिनिधियों ने भाग लिया और कॉम्बैट फेडरेशन द्वारा भविष्य में आयोजित होने वाले नेशनल और इंटरनेशनल लेवल के चैंपियनशिप में सहयोग देने का वादा किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शिक्षक संजय पाण्डेय सहित देश के कोने-कोने से आए फेडरेशन के पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन सुनील मणि त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों समेत मेंबरों को बुके व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता,नरेंद्र बहादुर सिंह, संपादक सुशील सिंह,भानु जी, सुरेश बाबू, भानु प्रताप, चिंतामणि,रितेश यादव, पोस्ट मास्टर नरेंद्र कुमार सिंह, कमलेश यादव, जितेंद्र, मुनजी पासवान, अभिषेक सिंह, बजरंगी यादव,अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी चंद्रप्रकाश मणि, मांगीलाल बिश्नोई, राजकुमार शर्मा,दीपाली नदी, रमजान, आशीष राय, हिमांशु,अभिषेक कुमार,विकास दत्ता,लिटन राय समेत अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

अपने संस्थान के लिए आधुनिक वेबसाइट बनवाये
Web & App Development
School | College | Hospital | Institute
News Portal | MLM | E-Shop | ERP | CRM
बिज़नेस आपका साथ हमारा
Free SSL, SEO & E-Mail Services
Call on 9236151000
SoftNick India

रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया संग शादी में शामिल हुई कृति सेनन, लवबर्ड्स का रोमांटिक पल वीडियो वायरल

कृति सेनन बीते काफी समय से अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। काफी समय से कृति सेनन और कबीर बहिया के अफेयर की खबरें आ रही हैं, पर दोनों आज तक अपने रिलेशनशिप पर खुलकर सामने नहीं आए हालांकि, कृति को कई बार कबीर के साथ स्पॉट किया गया है।हाल ही दोनों जब कलीना एयरपोर्ट पर नजर आए तो यूजर्स के मन में सवाल उठा कि कृति और कबीर कहां जा रहे हैं? अब एक वीडियो आया है जिसमें कृति और कबीर बहिया एक शादी में नजर आ रहे हैं। शादी से उनका एक रोमांटिक पल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में कृति सेनन ब्लैक कलर के गाउन में स्टनिंग दिख रही हैं। वह कबीर बहिया से बात करती नजर आ रही हैं। कबीर बात करते हुए कृति के कंधे पर हाथ रख लेते हैं। इस रोमांटिक पल को देख फैंस का दिल भी पिघल गया और कमेंट्स कर रहे हैं।मालूम हो कि कबीर बहिया यूके बेस्ड बिजनसमैन हैं। कृति और कबीर के अफेयर की खबरें तब आना शुरू हुईं जब एक्ट्रेस के बर्थडे पर दोनों ग्रीस गए थे। वहां से दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

कांग्रेस ने अल्लाहबादिया, समय रैना के यूट्यूब चैनल को निलंबित करने की मांग की

महाराष्ट्र कांग्रेस ने गुरुवार को पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया, कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब चैनल को स्थायी रूप से निलंबित करने की मांग की। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता राकेश शेट्टी ने सूचना एवं प्रसारण

मंत्री को लिखे पत्र और रेजिडेंट शिकायत अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराते हुए यूट्यूब से सभी आपत्तिजनक सामग्री को तत्काल हटाने और रणवीर अल्लाहबादिया तथा समय रैना के यूट्यूब चैनल को स्थायी रूप से निलंबित करने की मांग की। उन्होंने यूट्यूब की प्रवर्तन नीति के तहत सख्त कार्रवाई करने की भी मांग की।उन्होंने कहा कि दो करोड़ तीस लाख सब्सक्राइबर बेस के साथ उनकी सामग्री को नाबालिगों और युवा दर्शकों द्वारा व्यापक रूप से नकल किया जा रहा है जिससे गंभीर नैतिक चिंताएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सामग्री अभद्रता, स्पष्ट भाषा और अनैतिक व्यवहार को बढ़ावा देती है जो हानिकारक और अनुचित सामग्री के खिलाफ यूट्यूब की नीतियों का सीधा खंडन करती है। शेट्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अल्लाहबादिया को सम्मानित करने की भी आलोचना की। अल्लाहबादिया के एक्स पर छह लाख से अधिक, इंस्टाग्राम पर 45 लाख और यूट्यूब पर एक करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर हैं। उन्हें 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय क्रिएटर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया।उल्लेखनीय है कि यह शो 14 नवंबर 2024 को खार पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक निजी स्टूडियो में आयोजित किया गया था और बाद में इसका प्रीमियर यूट्यूब पर किया गया। लेकिन शो के कुछ क्लिप रविवार को इंस्टाग्राम पर अपलोड किए गए। इसमें शो के एक एपिसोड के दौरान होस्ट और मेहमानों द्वारा माता-पिता और महिलाओं के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणियां वायरल हो गयी जिससे देश भर में विवाद खड़ा हो गया।

लेडीलव संग शादी रचा रहे राज बब्बर के बेटे, पिता तक को नहीं भेजा न्योता, सौतेले भाई बोले-मां को नहीं तो कम से कम डैड...

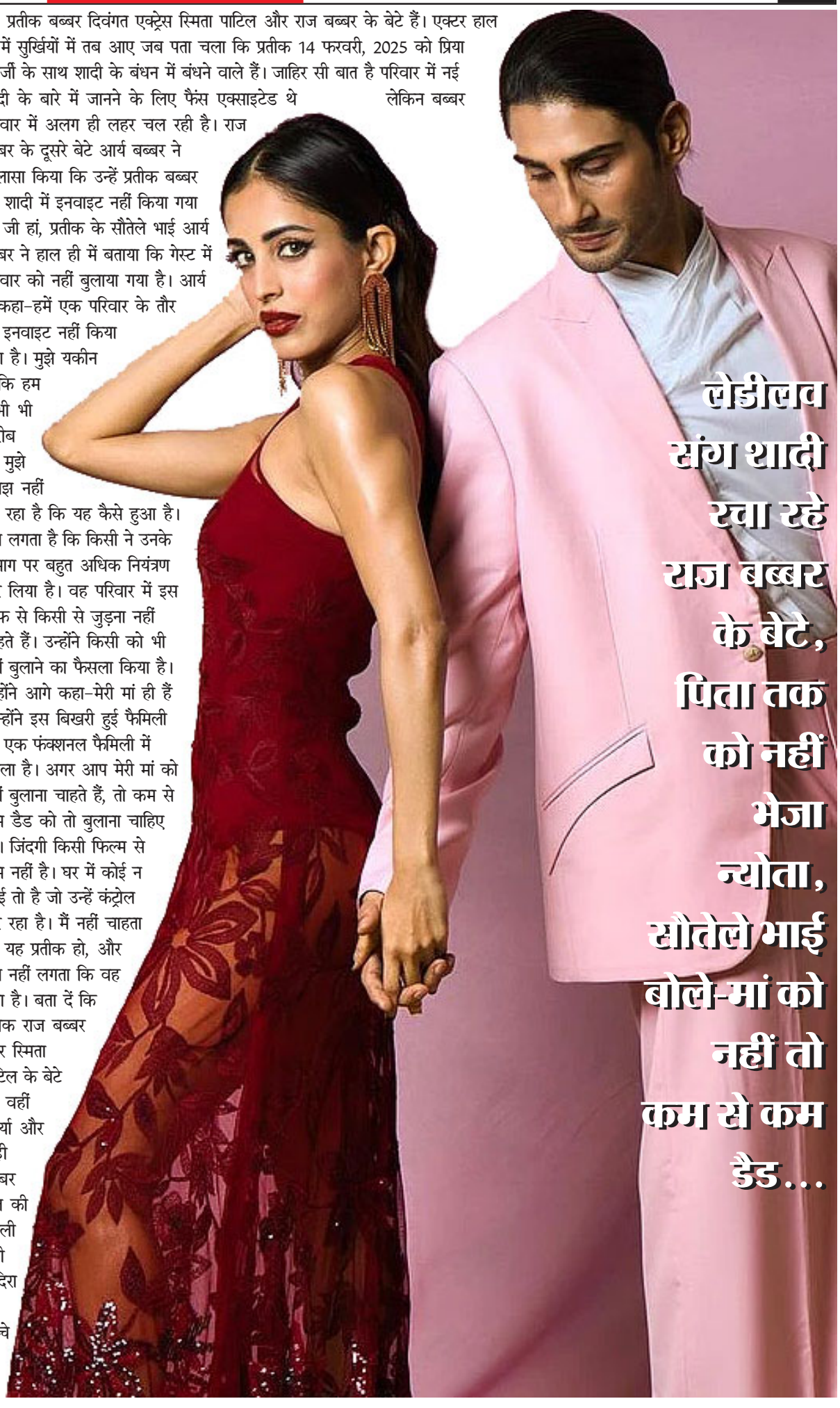

प्रतीक बब्बर दिवंगत एक्ट्रेस स्मिता पाटिल और राज बब्बर के बेटे हैं। एक्टर हाल ही में सुर्खियों में तब आए जब पता चला कि प्रतीक 14 फरवरी, 2025 को प्रिया बनर्जी के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। जाहिर सी बात है परिवार में नई शादी के बारे में जानने के लिए फैंस एक्साइटेड थे लेकिन बब्बर परिवार में अलग ही लहर चल रही है। राज बब्बर के दूसरे बेटे आर्य बब्बर ने खुलासा किया कि उन्हें प्रतीक बब्बर की शादी में इनवाइट नहीं किया गया है। जी हां, प्रतीक के सौतेले भाई आर्य बब्बर ने हाल ही में बताया कि गेस्ट में परिवार को नहीं बुलाया गया है। आर्य ने कहा-हमें एक परिवार के तौर पर इनवाइट नहीं किया गया है। मुझे यकीन है कि हम अभी भी करीब हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि यह कैसे हुआ है। मुझे लगता है कि किसी ने उनके दिमाग पर बहुत अधिक नियंत्रण कर लिया है। वह परिवार में इस तरफ से किसी से जुड़ना नहीं चाहते हैं। उन्होंने किसी को भी नहीं बुलाने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा-मेरी मां ही हैं जिन्होंने इस बिखरी हुई फैमिली को एक फंक्शनल फैमिली में बदला है। अगर आप मेरी मां को नहीं बुलाना चाहते हैं, तो कम से कम डैड को तो बुलाना चाहिए था। जिंदगी किसी फिल्म से कम नहीं है। घर में कोई न कोई तो है जो उन्हें कंट्रोल कर रहा है। मैं नहीं चाहता कि यह प्रतीक हो, और मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा है। बता दें कि प्रतीक राज बब्बर और स्मिता पाटिल के बेटे हैं। वहीं आर्या और जूही बब्बर राज की पहली पत्नी नादिरा के बच्चे हैं।

अभद्र टिप्पणी मामला

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे रणवीर इलाहाबादिया, जल्द सुनवाई की अपील सीजीआई ने की खारिज

इंडियाज गॉट लेटेंट शो में विवादित टिप्पणी करने वाले यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यूट्यूबर ने तुरंत सुनवाई की मांग की लेकिन सीजीआई ने जल्द तारीख देने से इनकार कर दिया। रणवीर संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर की थी, जिसे शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के सामने पेश किया गया। सीजेआई खन्ना ने कहा कि सुनवाई की तारीख पहले ही तय हो चुकी है। उन्होंने इसे तुरंत सुनवाई के लिए स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इलाहाबादिया ने अपने खिलाफ किसी (विभिन्न राज्यों में दर्ज केस) भी तरह के एक्शन से बचने के लिए ये कदम उठाया है। पॉडकास्टर ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर बलपूर्वक कार्रवाई से सुरक्षा की मांग की है। बता दें कि यह विवाद 8 फरवरी को स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट के एक एपिसोड से जुड़ा है, जो यूट्यूब पर अपलोड हुआ था। इस यूट्यूब चैनल के 7.3 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर हैं।इस एपिसोड में रणवीर ने एक कंटेस्टेंट से उनके माता-पिता को लेकर अभद्र सवाल पूछा था, जिसे लेकर काफी विवाद हुआ।इस बीच, मुंबई की खार पुलिस ने रणवीर इलाहाबादिया को दूसरा समन भेजकर उसे शुक्रवार को पूछताछ के लिए बुलाया है, क्योंकि वह गुरुवार को समय पर पेश नहीं हुए थे।

सुहागरात पर भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना बर्बाद हो जाएगी शादी की पहली रात

शादी की पहली रात कई मायनों में बेहद खास होती है। इसे सुहागरात के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यह सुहागन बनने के बाद महिला की पहली रात होती है। ऐसे में इसे खास बनाने के लिए कई बातों का ख्याल रखना जरूरी है। इस दौरान आमतौर पर लोग ऐसी गलतियां कर देते हैं तो पूरी को बर्बाद कर सकती है।

इन दिनों हर तरफ बस शहनाइयों की गूंज सुनने को मिल रही है। सोशल मीडिया पर भी हर तरफ बस शादियां ही शादियां देखने को मिल रही है। वेडिंग सीजन आते ही लोग इसकी तैयारियों में लग जाते हैं। शादी हर किसी के जीवन का एक अहम हिस्सा है, जिसे खास बनाने के लिए लोग कई सारे इंतजाम करते हैं। शादी के दौरान की जाने वाली सभी रस्मों का अपना अलग महत्व होता है। इतना ही नहीं शादी के बाद पहली रात भी बेहद खास मानी जाती है। इसके लिए लोग अलग से तैयारियां करते हैं। इसके लिए भी कई तरह के खास इंतजाम किए जाते हैं। शादी की पहली रात को सुहागरात कहा जाता है, क्योंकि यह वैवाहिक जीवन की शुरूआत होती है और इसके साथ ही दो लोग शादीशुदा जीवन की तरफ अपना पहला कदम बढ़ाते हैं। आमतौर पर लोग शादी की पहली रात को लेकर ज्यादा बातचीत नहीं करते। हालांकि,सुहागरात के समय कई सारी बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इस दौरान की गई कुछ गलतियां आपकी शादी की पहली रात को बर्बाद कर कर सकती हैं। आइए जानते हैं कौन-सी हैं ये गलतियां-

कमरे में मेडिकल किट का न होना

कमरे में मेडिकल किट न रखना शादी की पहली की रात सबसे बड़ी गलती साबित हो सकती है। दरअसल, शादी की शुरूआत होने के बाद से ही दूल्हा-दुल्हन कई तरह के रीति-रिवाजों और तैयारियों में बिजी रहते हैं, जिसकी वजह से कई बार थकान और तनाव होने सकता है और इसके कारण किसी की भी तबीयत खराब हो सकती है। ऐसे में मेडिकल किट न होने पर पूरी रात परेशान होना पड़ता है और शादी की पहली रात बर्बाद हो सकती है। इसलिए अपने रूम में मेडिकल किट जरूर रखें।

इंटिमेसी को लेकर जल्दीबाजी

आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि शादी की पहली रात सिर्फ सेक्शुअल रिलेशन के लिए अहम है। हालांकि, यह इससे कई ज्यादा है। ऐसे में सुहागरात पर इसे लेकर खास ध्यान रखना चाहिए। शादी की पहली रात इंटिमेसी की चाहत रखना गलत नहीं है, लेकिन इसके लिए दोनों पार्टनर की सहमति बेहद जरूरी है। अगर दोनों में से कोई भी सहज महसूस नहीं कर रहा है या थकान और बीमार महसूस कर रहा है, तो इंटिमेसी के लिए किसी तरह का कोई जोर न डालें। ऐसा करने से आपके पार्टनर के मन में आपकी गलत छवि बन जाएगी, जिसे सुधरने में काफी समय लग सकता है।

पास्ट की बातों का जिक्र करना

पास्ट हर किसी का होता है, लेकिन जब तक यह आपके वर्तमान को प्रभावित न करे इससे कोई नुकसान नहीं है। ऐसे लमें कोशिश करें कि शादी की पहली रात किसी भी बात या चीज को लेकर पास्ट का जिक्र न करें। साथ ही अपने पास्ट से वर्तमान को कंपेयर भी न करें। ऐसा करने से आपके पार्टनर के मन में आपके लिए खटास आ सकती है।

पार्टनर के परिवार की कमी निकालना

शादी सिर्फ दो लोगों को नहीं, बल्कि दो परिवारों को एक-दूसरे से बांधता है। ऐसे में अपने पार्टनर के साथ-साथ उनके परिवार को भी अपनाना बेहद जरूरी है। हालांकि, कई लोग शादी या इसकी तैयारियों में रह गई कमी को गिनाते हुए अपने पार्टनर के परिवार की कमी निकालते हैं, जो आपके रिश्ते की शुरूआत के लिए बिल्कुल सही नहीं है।

रिश्ते में घोलना चाहते हैं प्यार की मिठास, तो पार्टनर के लिए खुद बनाएं ये स्वीट डिशेज

वेलेंटाइन्स डे सिर्फ प्यार जताने का नहीं बल्कि प्यारे पलों को संजोने का भी मौका है। ऐसे में इस खास दिन को और

रोमांटिक बनाने के लिए घर पर बने स्वीट्स से बेहतर कुछ नहीं। अगर आप भी इस खास मौके पर अपने रिश्ते में ज्यादा मिठास और प्यार घोलना चाहते हैं तो इन रेसिपीज को जरूर ट्राई करें।

वेलेंटाइन्स डे प्यार का जश्न मनाने का खास मौका है और इस दिन घर पर बनी स्वीट्स इसे और भी खास बना सकती है। ये डिजर्ट्स न सिर्फ आपके प्यार का इजहार करने का एक लाजवाब तरीका हैं, बल्कि वे आपके रिश्ते में मिठास भी घोलते हैं। ऐसे में क्यों न इस वेलेंटाइन डे, बाजार के बनी स्वीट डिशेज की जगह अपने हाथों से कुछ खास बनाकर अपने पार्ट्नर को सरप्राइज दिया जाए। यहां कुछ ऐसी ही स्वाट रेसिपीज की जानकारी दी गई है, जो आपके इस दिन को यादगार बना देगी। आइए जानते हैं इनके बारे में-

चॉकलेट लावा केक

अगर आप चॉकलेट लवर हैं, तो यह वेलेंटाइन्स डे के लिए परफेक्ट है। जब आप इसे काटते हैं, तो अंदर से पिघली हुई चॉकलेट बाहर निकलती है, जो इसे और भी खास बना देती है। इसे वनीला आइसक्रीम या स्ट्रॉबेरी के साथ सर्व करें।

रेड वेलवेट कपकेक

रेड वेलवेट कपकेक का नाम ही इसे खास बना देता है। इसका लाल रंग, प्यार का प्रतीक है, और उस पर व्हाइट क्रीम चीज फ्रॉस्टिंग इसे परफेक्ट डेजर्ट बनाती है। आप इन्हें हार्ट शेप में भी बना सकते हैं और ऊपर से चॉकलेट या गुलाब की पंखुड़ियों से सजाकर और भी रोमांटिक बना सकते हैं।

रोज फ्लेवर रसगुल्ले

गुलाब की खुशबू और रसगुल्ले की मिठास का कॉम्बिनेशन इस दिन को और खास बना सकता है। ऐसे में पारंपरिक रसगुल्ले को गुलाब जल और केसर के साथ ट्विस्ट देकर बनाया जा सकता है।

स्ट्रॉबेरी फिरनी

पारंपरिक फिरनी को एक रोमांटिक ट्विस्ट देने के लिए इसमें स्ट्रॉबेरी प्यूरी मिलाएं। गुलाबी रंग और स्ट्रॉबेरी की हल्की खट्टी-मीठी स्वाद इसे परफेक्ट वेलेंटाइन स्पेशल मिठाई बना देगा। इसे चांदी के वर्क और कटे हुए ड्राई फ्रूट्स से सजाएं।

हार्ट शेप्ड कुकीज

घर पर बनी हुई हार्ट शेप्ड कुकीज वेलेंटाइन डे के लिए एक प्यारा और स्वादिष्ट विकल्प हैं। इन्हें चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी या वनीला फ्लेवर में बनाया जा सकता है।

चॉकलेट ट्रफल्स

अगर आप बिना बेकिंग के कोई मिठाई बनाना चाहते हैं, तो चॉकलेट ट्रफल्स बेस्ट ऑप्शन है। डार्क चॉकलेट, क्रीम और कोको पाउडर से बनी ये छोटी-छोटी बॉल्स बेहद स्वादिष्ट और लाजवाब लगती हैं।

स्ट्रॉबेरी चीजकेक

स्ट्रॉबेरी चीजकेक का क्रीमी टेक्सचर और टंगी स्ट्रॉबेरी फ्लेवर इसे एक परफेक्ट वेलेंटाइन डे मिठाई बनाता है। इसे बनाने के लिए बिस्किट क्रस्ट, क्रीमी फिलिंग और ताजे स्ट्रॉबेरी टॉपिंग का इस्तेमाल करें।

डॉक्टर ने बताया बच्चे को कैंसर से बचाने में कैसे मददगार है मां का दूध

कैंसर दुनियाभर में चिंता का एक गंभीर विषय बना हुआ है। बड़े-बुजुर्गों के साथ ही यह बीमारी बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। ऐसे में इसे लेकर जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल 15 फरवरी को चाइल्डहुड कैंसर डे मनाया जाता है। इस मौके पर जानते हैं कैसे कैंसर से बचाने में मदद करता है मां का दूध।

कैंसर एक गंभीर बीमारी है, जो किसी को भी अपना शिकार बना सकती है। यह बीमारी बच्चों को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रही है। ऐसे में इसे लेकर जागरूकता फैलाने के के लिए हर साल 15 फरवरी को मनाया जाता है। इस दिन को मकसद से बचपन में होने वाले कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना और कैंसर से पीड़ित बच्चों और किशोरों, बचे लोगों और उनके परिवारों को समर्थन देना है।

ऐसे में कैंसर डे के मौके पर हम जानेंगे कैसे ब्रेस्टफीडिंग बच्चे को कैंसर से बचाने में मदद करता है। इस बारे में विस्तार से बता रही हैं गुरुग्राम के मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल में आब्सटेट्रिक्स और गायनेकोलॉजी की क्लीनिकल डायरेक्टर डॉ. पल्लवी वसल-

क्यों जरूरी है मां का दूध?

डॉक्टर ने बताया कि स्तनपान यानी ब्रेस्टफीडिंग को व्यापक रूप से मां और बच्चे दोनों के लिए जरूरी माना जाता है। शोध से पता चला है कि जिन बच्चों को कम से कम छह से सात महीने तक ब्रेस्टफीड कराया जाता है, उनमें बचपन में ल्यूकेमिया यानी ब्लड कैंसर विकसित होने का जोखिम काफी कम होता है।

अध्ययनों से यह भी पता चला कि कम से कम सात से आठ महीने तक स्तनपान कराने से बचपन में ल्यूकेमिया की संभावना लगभग 20% कम हो सकती है। साथ ही यह अध्ययन बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने में मां के दूध की शक्तिशाली भूमिका पर भी प्रकाश डालता है।

मां के दूध के फायदे

मां का दूध एंटीबॉडी और इम्यून फैक्टर्स से भरपूर होता है, जो बच्चे के इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये प्रोटेक्टिन एलिमेंट्स न सिर्फ बच्चे को सामान्य इन्फेक्शन से बचाते हैं, बल्कि बचपन में होने वाली ल्यूकेमिया जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी कम करते हैं।

ब्रेस्ट मिल्क के इम्युनिटी बढ़ाने वाले गुण बच्चों में एक मजबूत रक्षा प्रणाली के विकास में मदद करते हैं।

कैंसर में लड़ने में कैसे मददगार है मां का दूध?

ब्रेस्ट मिल्क में ओमेगा-3 फैटी एसिड और कॉन्जुगेटेड लिनोलिक एसिड (सीएलए) जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं। इन दोनों में ही कैंसर से लड़ने वाले गुण होते हैं। ये पोषक तत्व बच्चे की पूरी हेल्थ को बेहतर बनाने में योगदान देते हैं और ब्लड कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों के खिलाफ प्रोटेक्टिव एजेंट के रूप में काम करते हैं। ऐसे में मां के दूध में इन जरूरी कंपोनेंट्स की मौजूदगी बचपन में ल्यूकेमिया की संभावना को कम कर इसके महत्व को और बढ़ा देती है।

आईपीएल फैंस के लिए बुरी खबर

मुफ्त में आईपीएल मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग नहीं देख पाएंगे

अब वायकॉम 18 और स्टार इंडिया का विलय हो गया है और ये जियोहॉटस्टार बन गया है। जियोहॉटस्टार पर अब फैंस आईपीएल मैच का लुत्फ मुफ्त में नहीं उठा पाएंगे और इसके लिए उन्हें जेब ढीली करनी होगी। जियो सिनेमा और डिज्नीहॉटस्टार स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के विलय के बाद शुक्रवार को नया स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार लॉन्च किया गया।

एजेंसी

नई दिल्ली। स्ट्रीमिंग फ्री देखा करते थे। लेकिन आईपीएल 2025 में ऐसा नहीं होगा। अब वायकॉम 18 और स्टार इंडिया का विलय हो गया है और ये जियोहॉटस्टार बन गया है। जियोहॉटस्टार पर अब फैंस आईपीएल मैच का लुत्फ मुफ्त में नहीं उठा पाएंगे और इसके लिए उन्हें जेब ढीली करनी होगी। जियो सिनेमा और डिज्नीहॉटस्टार स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के विलय के बाद शुक्रवार को नया स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार लॉन्च किया गया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक फैंस अब बिना सब्सक्रिप्शन के आईपीएल मैच के केवल कुछ मिनट ही देख पाएंगे। मुफ्त मिनट समाप्त होने के बाद उन्हें सब्सक्रिप्शन पेज पर भेजा जाएगा। और इसके प्लान की शुरूआत 149 रुपये से होगी। जियो सिनेमा ने साल 2023 में आईपीएल लाइव स्ट्रीमिंग का अधिकार हासिल किया था और इसके

लिए 3 बिलियन डॉलर की रकम अदा की थी। इसके बाद जियो सिनेमा ने 2023 और 2024 में फैंस को फ्री में मैच दिखाया। लेकिन इस सीजन से फैंस को पूरा मैच देखने के लिए उनकी जिस तरह की जरूरत होगी उसके मुताबिक पैसे चुकाने होंगे। दुनिया की सबसे अमीर क्रिकेट लीग आईपीएल की स्ट्रीमिंग की शर्तों को बदलने का निर्णय तब लिया गया जब मुकेश अंबानी की रिलायंस और वॉल्ड डिज्नी का विलय हो गया। एक सूत्र ने रिटेलर्स को बताया कि जब कोई उपयोगकर्ता प्लेटफॉर्म के प्रति लगाव विकसित कर लेता है, मुफ्त में देखना शुरू कर देता है। वफादार बन जाता है। तो सदस्यता शुरू हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक उपयोगकर्ता की सदस्यता अलग-अलग समय पर शुरू हो सकती है। यानी जरूरत के मुताबिक हर कोई पैक ले सकता है और फिर मैच का लुत्फ उठा सकता है।

जियो हॉटस्टार में सब्सक्रिप्शन प्लान क्या है?

जियो हॉटस्टार में सब्सक्रिप्शन प्लान 149 रुपये से शुरू होगा और तीन महीने के लिए 499 रुपये पे करने होंगे। 149 रुपये का प्लान बेसिक होगा जिसमें आप सिर्फ कुछ मैच ही देख सकते हैं।

जनवरी में थोक महंगाई दर में राहत, जनवरी में 2.31 प्रतिशत रहा डब्ल्यूपीआई

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की थोक मूल्य मुद्रास्फीति

जनवरी 2025 में घटकर 2.31 प्रतिशत हो गई, जो दिसंबर 2024 में 2.37 प्रतिशत थी। खाद्य और ईंधन की कीमतों में नरमी से थोक मुद्रास्फीति में कमी आई। इससे पहले, खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट का रुख जारी रहा और जनवरी में यह पांच महीने के निचले स्तर 4.31 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण सब्जियों, अंडे और दालों की कीमतों में गिरावट थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में 5.22 प्रतिशत और जनवरी 2024 में 5.1 प्रतिशत थी। पिछली निम्न मुद्रास्फीति अगस्त 2024 में 3.65 प्रतिशत थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अक्टूबर से गिरावट पर है। जनवरी में खाद्य टोकरी में मुद्रास्फीति 6.02 प्रतिशत थी, जो अगस्त 2024 के बाद सबसे कम थी जब यह 5.66 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि दिसंबर 2024 की तुलना में जनवरी 2025 की हेडलाइन मुद्रास्फीति में 91 आधार अंकों की गिरावट आई है और यह अगस्त 2024 के बाद साल-दर-साल सबसे कम मुद्रास्फीति है। वहीं, जनवरी महीने में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.31 प्रतिशत पर आ गई जो पांच महीनों का निचला स्तर है। यह गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, अंडों और दालों की कीमतों में कमी के कारण आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर, 2024 में 5.22 प्रतिशत और जनवरी, 2024 में 5.1 प्रतिशत पर रही थी।

बीसीसीआई ने गौतम गंभीर के खास को किया उनसे दूर

इस कारण से साथ रहना हुआ मुश्किल

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में ऐसा नहीं हुआ। समाचार एजेंसी पीटीआई ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि, कोचिंग स्टाफ के पर्सनल सेकेट्री, जो लगातार टीम होटल में रह रहा था वह अब दूसरे होटल में रहते हैं। हालांकि, वह इंग्लैंड सीरीज के दौरान हर मैच में स्टेडियम में उपलब्ध थे।

एजेंसी

नई दिल्ली। बीसीसीआई इस समय अपने नियमों को लेकर सख्त है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद हुई बैठक में बोर्ड ने कुछ फैसले किए थे और उन पर वो कायम है। इंग्लैंड के भारत दौरे पर ये देखने को भी मिला। बोर्ड ने फैसला किया था कि सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों का कोई भी मैनेजर टीम के साथ नहीं होगा और इंग्लैंड सीरीज के दौरान ऐसा ही हुआ। ये फैसला इसलिए किया गया था क्योंकि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गौतम गंभीर के पीए टीम होटल में ही रुक रहे थे और टीम के साथ ही थे। वह एडिलेड के हॉस्पिटेलिटी बॉक्स में भी घूम रहे थे। इसी कारण बीसीसीआई ने ये फैसला किया था। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में ऐसा नहीं हुआ। समाचार एजेंसी पीटीआई ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि, कोचिंग स्टाफ के पर्सनल सेकेट्री, जो लगातार टीम होटल में रह रहा था वह अब दूसरे होटल में रहते हैं। हालांकि, वह इंग्लैंड सीरीज के दौरान हर मैच में स्टेडियम में उपलब्ध थे। रिपोर्ट में गंभीर का नाम नहीं है लेकिन टीम इंडिया के मौजूदा कोचिंग स्टाफ में से सिर्फ गंभीर ही इकलौते हैं जिनका अपना खुद का पीए है जो टीम के साथ सफर करता है। ऑस्ट्रेलिया में गंभीर के पीए की हर मैदान पर मौजूदगी ने बीसीसीआई को परेशान कर दिया था। पीटीआई ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था कि, उनका पीए उस कार में क्यों बैठा है जो नेशनल सेलेक्टर्स के लिए है।

कार में तीसरे इंसान की मौजदूगी के कारण वह चीजें प्राइवेट में डिस्कस भी नहीं कर सकते। उन्हें एडिलेड में बीसीसीआई के हॉस्पिटेलिटी बॉक्स में भी जगह दी गई थी? बीसीसीआई ने कोचिंग स्टाफ के पीए के साथ जाने, रुकने पर ही रोक नहीं लगाई थी बल्कि खिलाड़ियों के परिवार के रुकने की भी समय सीमा तय कर दी थी।

रुपया आठ पैसे मजबूत होकर 86.85 प्रति डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी मुद्रा के उच्च स्तर से नीचे आने और घरेलू शेयर बाजारों के अनुकूल रुख दिखाने से रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में आठ पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.85 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.86 पर खुला और शुरूआती कारोबार के दौरान बढ़त के साथ 86.85 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की बढ़त दशार्ता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.93 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.03 पर रहा।

न्यूजीलैंड के बेन सियर्स चैंपियंस ट्रॉफी से हुए बाहर, अब ऐसी है कीवी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले करारा झटका लगा है। टीम के गेंदबाज बेन सियर्स चोट की वजह से टूनार्मेंट से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड ने सियर्स की जगह जैकब डफी को टीम में शामिल किया है। वे पाकिस्तान में चल रही त्रिकोणीय सीरीज का हिस्सा हैं। सियर्स चोट की वजह से टूनार्मेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी मांसपेशियों में खिंचाव है। न्यूजीलैंड का चैंपियंस ट्रॉफी में पहला मैच पाकिस्तान से है। ये मुकाबला 19 फरवरी को खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को प्रेस रिलीज जारी करके जानकारी शेयर की।

इंग्लैंड के कोच मैकुलम ने कहा, अच्छी तैयारी के साथ भारत दौरे पर आए थे

एजेंसी

अहमदाबाद । इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने उन सुझावों को खारिज कर दिया है कि उनकी टीम ने भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। रवि शास्त्री और केविन पीटरसन ने बुधवार को खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान कमेंट्री करते हुए कहा था कि जो रूट को छोड़कर इंग्लैंड के किसी भी

खिलाड़ी ने वनडे श्रृंखला के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। भारत ने इस श्रृंखला के तीनों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया था। मैकुलम ने इंग्लैंड की तीसरे वनडे में हार के बाद टॉकस्पोर्ट से कहा, यह पूरा बयान ही तथ्यात्मक रूप से गलत है कि हमने अच्छी तैयारी नहीं की थी। उन्होंने कहा, हम बहुत अच्छी तैयारी के साथ यहां आए थे। हमारे खिलाड़ी काफी क्रिकेट खेल कर यहां आए थे। परिणाम अनुकूल नहीं रहने पर यह कहना आसान हो जाता है कि हमने पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। इंग्लैंड की टीम ने नागपुर में खेले गए पहले वनडे से पूर्व अभ्यास सत्र में भाग लिया था लेकिन इसके बाद अगले दो मैच में उसने अनौपचारिक अभ्यास सत्र का विकल्प चुना था। अगले हफ्ते पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड को अपने आखिरी वनडे मैच में भारत से 142 रन से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड को वनडे श्रृंखला से पहले पांच मैच की टी20 श्रृंखला में भी भारत से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। मैकुलम ने जैकब बेथेल (हैमस्ट्रिंग) और जेमी स्मिथ (पिंडली) की चोटों का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा, हमारे खेलने की एक शैली, एक तरीका है जिस पर हम पूरा विश्वास करते हैं। हमारे कुछ खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं। आखिरकार जो कहा गया है वह तथ्यात्मक रूप से गलत है और हम जिस पर विश्वास करते हैं उस पर कायम रहेंगे।

पेटीएम मनी में अतिरिक्त गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति

एजेंसी

नई दिल्ली। पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व

रखने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने बृहस्पतिवार को राजीव कृष्ण मुरलीलाल अग्रवाल को पेटीएम मनी का अतिरिक्त गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की। पेटीएम मनी, वन97 कम्युनिकेशंस के पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। कंपनी के बयान के मुताबिक, अग्रवाल पेटीएम मनी में ऑडिट समिति के सदस्य और जोखिम प्रबंधन समिति एवं कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति के अध्यक्ष के रूप में भी काम करेंगे। अग्रवाल के पास 40 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) में 28 वर्षों तक कार्य किया है। पेटीएम मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश सिंह ने कहा, कंपनी के संचालन और जोखिम प्रबंधन में अग्रवाल की गहन विशेषज्ञता के साथ हमें विश्वास है कि उनका मार्गदर्शन इन प्रयासों को मजबूत करेगा।

करप्शन के खिलाफ सीएम योगी ने बड़ी कार्रवाई

पीसीएस अधिकारी गणेश प्रसाद को किया बर्खास्त, 2 निलंबित

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोपी पीसीएस अधिकारी गणेश प्रसाद सिंह को बर्खास्त कर दिया गया है। इसके साथ ही दो पीसीएस अधिकारी अशोक कुमार और मदन कुमार को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित दोनों पीसीएस अधिकारियों को राजस्व परिषद से संबद्ध कर दिया गया है। बता दें कि गणेश प्रसाद सिंह अपर जिलाधिकारी स्तर के पीसीएस अधिकारी हैं।

जौनपुर में मुख्य राजस्व अधिकारी रहने के दौरान वित्तीय अनियमितता के आरोप में उन्हें निलंबित किया गया था। उन पर यह भी आरोप है कि कुशीनगर में रहने के दौरान उन्होंने ग्राम समाज की जमीन नियमों के विपरीत जाकर पट्टे पर दे दिया था। शासन ने इस संबंध में कुशीनगर के जिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी थी। इसमें गड़बड़ी की पुष्टि होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रस्ताव भेजा गया था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उन्हें बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा बरेली-पीलीभीत-सितारगंज हाईवे व बरेली रिंग रोड निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण में हुए घोटाले के आरोप में दो पीसीएस अधिकारियों अशोक कुमार और मदन कुमार को निलंबित कर दिया गया है।

महाकुंभ 2025 के आयोजन में यूपी सरकार ने खर्च किए 1500 करोड़ रुपए : सीएम योगी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में 114 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस मौके पर तीनों नेताओं ने लोगों को संबोधित किया और उत्तर प्रदेश के विकास की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने बताया कि कुंभ और महाकुंभ आयोजन से यूपी की अर्थव्यवस्था को भारी लाभ होता है।

योगी ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। सीएम योगी ने उन लोगों का जवाब दिया, जो पूछते हैं कि 5000-6000 करोड़ रुपये क्यों खर्च किए गए। उन्होंने बताया कि यह राशि सिर्फ कुंभ के आयोजन पर नहीं, बल्कि प्रयागराज शहर के जीर्णोद्धार पर भी खर्च की गई है। कुंभ के आयोजन में कुल 1500 करोड़ रुपये खर्च हुए, और यदि इसके बदले यूपी की अर्थव्यवस्था को 3 लाख करोड़ रुपये का लाभ हो, तो यह राशि उचित ही खर्च की गई है। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन से राज्य की अर्थव्यवस्था को और भी मजबूती मिलेगी। जब 50-55 करोड़ लोग उत्तर प्रदेश के महाकुंभ में शामिल होंगे, तो इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि डबल इंजन सरकार के आने के बाद, श्रद्धालु उन जगहों तक आसानी से पहुंच पा रहे हैं, जहां आठ साल पहले वे नहीं जा पाते थे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज ने 3 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी वृद्धि में योगदान दिया। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र बताया, जहां 49 प्रतिशत पूंजी निवेश रोजगार पैदा करने में खर्च होता है। गडकरी ने कहा कि इस आयोजन से टैक्सी चालकों, रिक्शा चालकों और अन्य श्रेणियों के लोगों को रोजगार के कई अवसर मिले हैं। लखनऊ में विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम योगी और नितिन गडकरी की तारीफ की।

सीएम योगी ने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर सपूतों को किया नमन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान हमें आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ने की प्रेरणा देता है। सीएम ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर शहीदों को नमन किया है। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा, पुलवामा के कायरतापूर्ण आतंकी हमले में शहीद हुए सभी अमर वीर जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं कोटि शः नमन! माँ भारती के वीर सपूतों का बलिदान हमें आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ने की प्रेरणा देता है। जय हिंद!

वर्ष 2019 में आज के ही दिन आतंकियों ने पुलवामा में बड़े हमले को अंजाम दिया था, जिसमें देश के 40 जवान शहीद हो गए थे। पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों के पर आत्मघाती हमला किया था।

वैलेंटाइन डे पर लठ पूजन दिवस, हाथ में लाठी लेकर निकले, मोहब्बत न करने की दी चेतावनी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में वैलेंटाइन डे के विरोध में लठ डालकर हाथ में लठ लेकर निकले शिशिर चतुर्वेदी। हजरतगंज समेत शहर के विभिन्न फूलों की दुकानों पर पहुंचे। वैलेंटाइन डे मनाने के लिए फूल खरीदने वाले युवाओं को रोका। शिशिर चतुर्वेदी ने वैलेंटाइन न मनाने के लिए जागरूक किया। शिशिर चतुर्वेदी ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी हम लोग वैलेंटाइन डे पर मैदान में है। लैला-मजनू लठ पूजन दिवस मना रहे हैं। आजके दिन जो नई लैला की तलाश करते हैं, जो शाहजहां अपनी नूरजहां को ढूंढ रहे हैं हम उनकी तलाश में है। स्कूल और कोचिंग जाने वाली बच्चियों को छेड़ने वालों के लिए लाठी तैयार है। शिविर ने कहा कि लखनऊ की पार्कों का आज माहौल बेहद खराब हो गया है।

लेकर निकले लोग । अखिल भारतीय हिंदू महासभा वैलेंटाइन डे का विरोध करते हुए लठ पूजन दिवस मना रहा है। शहर के चैराहों, फूल की दुकानों और पार्कों में युवाओं को वैलेंटाइन डे न मनाने के लिए लाठी लेकर दे रहे हैं चेतावनी। महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कहा मोहब्बत के नाम पर अश्लीलता फैलाने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गले में भगवा गमछा

किसान पथ अंडरपास में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त चालक की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र में गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। किसान पथ अंडरपास की दीवार से एक ट्रक की टक्कर हो गई, जिसमें मेरठ निवासी 50 वर्षीय चालक नवाब सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रात करीब 10 बजे बीकेटी थाना क्षेत्र के इंदौराबाग पुलिस चैकी के पास देवरई कला गांव के निकट हुई। हरियाणा नंबर (एचआर 74 ए 9483) की ट्रक अंडरपास की दीवार से इतनी जोर से टकराई कि उसका केबिन दीवार में फंस गया। सूचना मिलते ही इंदौराबाग चैकी प्रभारी अशोक यादव मौके पर पहुंचे। पुलिस ने केबिन को काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हाइड्रा मशीन की मदद से करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद ट्रक को बाहर निकाला जा सका।

एलयू में अर्थशास्त्र विभाग का नेशनल सेमिनार

लखनऊ (संवाददाता)। भारत में व्यापार करना अब बेहद आसान हो गया है। कर प्रणाली में सुधार करके ये संभव हुआ हैं। सरकार ने कई ऐसे अहम कदम उठाएं है, जिससे सही मायने में देश की तरक्की हो रही है। बुनियादी ढांचे में विकास से आर्थिक विकास, सामाजिक कल्याण, डिजिटल क्रांति आ चुकी है। इस पहल को अब संतुलन बनाकर साधना होगा। इसमें सरकार और कॉर्पोरेट जगत दोनों का अहम रोल है। सीएसआर के तहत सामाजिक उत्तरदायित्व के कई सराहनीय काम किए जा रहे हैं। सार्वजनिक-निजी साझेदारी से देश विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में लाया गया हैं। अब आगे चलकर देश को विकसित भारत बनाना हैं। ये कहना था केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चैधरी का। शुक्रवार को वो लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन हॉल में डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित नेशनल सेमीनार में बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि विकसित राष्ट्र के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर जीवनशैली जैसी मूलभूत जरूरतों पर सरकार का फोकस है।

'Where is Tara?'

Man scours hospitals, returns to New Delhi railway station in search of his missing wife after stampede

New Delhi | Gupteshwar Yadav's fingers tremble as he holds up his phone. On the screen is a photo of his wife, Tara Devi (50), captured in a moment of calm — her blue saree draped neatly over her shoulder, red sindoor bright against her forehead, her wrists adorned with bangles. "I lost sight of her in the crowd," the 52-year-old murmurs, standing on platform 14 at New Delhi Railway Station on Sunday, where the worst of the stampede had unfolded the night before.

"I waited for her, but she never came."

The stampede turned what was meant to be the family's pilgrimage to Kumbh, on board the Swatantrata Senani Express, into a night of devastation. At least 18 people died in the chaos. "It was impossible to move on your own," Gupteshwar says, recalling the events that unfolded on Saturday. "I was just being pushed along." As the crowd swelled, he had turned back, searching for his wife, but the sea of bodies made it impossible to see beyond a few feet. "Everyone was just trying to survive, but there was no space, no air, nothing to hold onto," he says. In the frenzy, he felt himself shoved sideways, stumbling toward the platform and all he could think was, "Where is Tara?" Must Read | Delhi railway station stampede: Behind 10-minute chaos, delay of two trains, and an announcement He and his brother Chhiteshwar spent the night combing through hospitals, searching through the rows of bodies, and clinging onto a sliver of hope that Tara survived. new delhi railway station stampede Gupteshwar and brother Chhiteshwar (in photo) spent the night combing through hospitals, searching through the rows of bodies, and clinging onto a sliver of hope that Tara survived. (Express Photo) A few feet away from where Gupteshwar now stood, 40-year-old Digamber Mandal watched it all unfold. For 12 years, he has been running the small Geeta Press bookstall on platform 14. He has seen crowds swell during Diwali and Holi, watched impatient travelers argue with ticket collectors, and even witnessed the occasional scuffle over a reserved seat. But nothing prepared him for the terror of last night. "At first, it was just another busy evening," he recounts. "Devotees heading to the Kumbh Mela filled the platform, their bags heavy with belongings, their voices raised in excitement. Then came several announcements of trains being shifted to different platforms." "That's when it started," he says. "People panicked. No one knew which way to go. The foot overbridge was already packed, but suddenly, everyone was rushing towards it. It was so crowded that people like me could not even go forward after a point." He watched helplessly as the crowd got swept into the narrow staircase. "I wanted to help," says Mandal. "But I couldn't move amid the sea of bodies." As the minutes stretched, station staff arrived — too late to prevent the tragedy, but in time to carry the dead away. Mandal says he saw bodies being pulled from the stairway and couldn't bring himself to look at them. "I didn't want to see," he admits. "That's why I didn't take the stairs when I closed my shop later in the night. I crossed the tracks instead, just so I wouldn't have to step over the dead." By Sunday morning, the platform has been cleared. Ropes now sectioned off the areas where the worst had occurred and guards stood at every corner. The crowd is more orderly. But for Gupteshwar and Chhiteshwar, and for families still searching for their loved ones, normalcy would not return so easily. "We woke up again at 7 am and started searching for Tara," Chhiteshwar says. "But we just can't find her." During the day, a high-level committee from the Railway arrives to begin the investigation. "We have secured all CCTV footage," says Narsingh Deo, Principal Chief Commercial Manager (PCCM), Northern Railways.

Kumaraswamy accuses Karnataka govt of land grabbing in encroachment case against him

Bengaluru | Karnataka government land grabbingThe minister claimed that the Special Investigation Team (SIT) formed by the state government planned to conduct a raid without notifying him, challenging the state to take over the land if it was encroached. (Photo: X/ @hd_kumaraswamy) Union minister and Janata Dal (Secular) leader H D Kumaraswamy Saturday accused the Congress government in Karnataka of conspiring to "grab" 45 acres of land owned by him near Bidadi in the Ramanagar district. The minister claimed that the Special Investigation Team (SIT) formed by the state government planned to conduct a raid without notifying him, challenging the state to take over the land if it was encroached. The SIT was formed on January 28, ahead of the hearing of a contempt plea by the Karnataka High Court on January 29 over the state government's failure to recover the land allegedly encroached on by influential persons, including Kumaraswamy. The NGO Samaj Parivartana Samudaya filed the petition, as the government failed to implement the undertaking given to the court to recover public land allegedly encroached at Kethiganahalli in the district neighbouring Bengaluru.

'Faltu hai': Lalu Prasad's Kumbh remarks stir row, BJP says he hurt Hindu sentiments

Patna | Lalu Prasad remarks on Maha Kumbh, Delhi stampedeLalu, a former Railway minister, said the stampede was the result of "mismanagement of Railways". (Express Archive Photo/ Prashant Ravi) RJD chief Lalu Prasad blamed Saturday night's stampede at the New Delhi railway station on a failure to manage the crowd that was heading to the Maha Kumbh Mela in Prayargraj, and courted controversy by saying that the Kumbh was "meaningless". "Kumbh ka koi matlab hai? Faltu hai (Kumbh is meaningless)," Lalu said Sunday. Expressing condolences to the families of the stampede victims, he also demanded the resignation of Railway Minister Ashwini Vaishnaw.

Bihar polls ahead, Rabri Devi's brother reopens an old RJD wound – 'jungle raj'

Patna | Subhash Yadav, Lalu Prasad, Lalu Prasad Yadav, Atal Bihari Vajpayee, RJD, Rashtriya Janata Dal, Rabri Devi, RJD government, Indian express news, current affairsIn a personal dig at Lalu, Subhash added: "Had I been behind the kidnappings, I would have been put in jail, just as Laluji was (the RJD chief was convicted in fodder scam cases)." (PTI Photo) On January 27, 2005, BJP leader Atal Bihari Vajpayee, who had stepped down as prime minister just the previous year after losing the general elections, was campaigning in Bhagalpur for the coming Bihar Assembly polls. Bihar then was in the grip of the kidnapping of a 14-year-old Patna boy, Kislay, with the Rabri Devi-led RJD government facing flak for failing to trace the teenager. The four words hit hard at the 15 years of RJD rule in the state, which was accused by its rivals of allowing criminals a free run, with kidnappings and extortion rampant. Kislay was recovered from Samastipur, but, days later, when Bihar voted, the RJD was shown the door, and has not managed to come back to power in the state since.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।